

राजस्थान के कुछ भागों में मानसून का नविरतन

चर्चा में क्यों

हाल ही में दक्षिण-पश्चिमी मानसून ने राजस्थान के भागों में नविरतन शुरू कर दिया है, जो इस वर्ष देरी से नविरतन का संकेत है।

मुख्य बंदि

- **मानसून नविरतन में देरी:** दक्षिण-पश्चिमी मानसून नरिधारति समय से एक सप्ताह देरी से पश्चिमी राजस्थान और **कच्छ** से वापस लौटना शुरू हो गया है तथा **भारत मौसम वजिज्ञान वभिग (Indian Meteorological Department- IMD)** के अनुसार अगले 24 घंटों में पंजाब, हरयाणा और गुजरात से भी नविरतन की आशा है।
 - कुल मलिाकर, सतिंबर में 3% की कमी के बावजूद, मानसून की वर्षा सामान्य से 5% अधिक रही है।
 - अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से उठे कई दबावों के कारण अगस्त में सामान्य से 15% अधिक वर्षा हुई, जबकि IMD ने 6% का अनुमान लगाया था।
- **ला नीना (La Niña) का प्रभाव:** ला नीना के कारण सतिंबर में वर्षा में 9% की वृद्धि के IMD के पूरवानुमान के वपिरीत, इस महीने में 3% की कमी देखी गई।
- **पूरण नविरतन की समय-सीमा:** दक्षिण-पश्चिमी मानसून की पूरण नविरतन अक्तूबर के मध्य तक होने की आशा है, जसिसे तमलिनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे दक्षिणी राज्यों में उत्तर-पूरवी मानसून के लयि रास्ता खुल जाएगा।

भारत में मानसून

भारतीय मानसून एक मौसमी पवन प्रणाली है जो देश की जलवायु और कृषि पैटर्न को नरिधारति करने में महत्त्वपूरण भूमिका नभिाती है। यह एक वशिषिट आर्द्र और शुष्क अवधिद्वारा चहिनिाति है, जसिमें दक्षिण-पश्चिमी मानसून जून और सतिंबर के बीच वर्षा लाता है।

भारतीय मानसून की प्रमुख वशिषिताएँ:

- **मौसमी पवन परविरतन:**
 - मानसूनी हवाओं की वशिषिता हवा की दशिा में बदलाव है। गर्मियों (जून से सतिंबर) के दौरान, नम पवनें हदि महासागर से जमीन की ओर बहती हैं (दक्षिण-पश्चिमी मानसून), जबकि सर्दियों (अक्तूबर से दसिंबर) में, शुष्क पवनें जमीन से समुद्र की ओर बहती हैं (उत्तर-पूरव मानसून)।
- **दक्षिण-पश्चिमी मानसून:**
 - यह गर्मियों के महीनों (जून से सतिंबर) के दौरान हावी रहती है और दो शाखाओं में वभिाजति होती है: अरब सागर शाखा और बंगाल की खाड़ी शाखा।
 - ये पवनें भारी वर्षा लाती हैं, वशिष रूप से पश्चिमी तट, पूरवोत्तर कषेत्रों और सधिु-गंगा के मैदानों में।
 - दक्षिण-पश्चिमी मानसून भारत की कृषि को सहायता प्रदान करता है, तथा खरीफ फसल मौसम की अधकिांश सचिाई इसी से होती है।
- **पूरवोत्तर मानसून:**
 - यह रोग सर्दियों के महीनों (अक्तूबर से दसिंबर) के दौरान होता है और मुख्य रूप से दक्षिणी भारत, वशिषकर तमलिनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल को प्रभावति करता है।
 - यह दक्षिण-पश्चिमी मानसून की तुलना में कम वर्षा लाता है और रबी फसलों पर प्रतकिूल प्रभाव डालता है।
- **मानसून का नविरतन:**
 - जैसे ही मानसून का नविरतन होता है, उत्तर से आने वाली शुष्क पवनें शीत तापमान लाती हैं, जो वशिष रूप से उत्तरी भारत में शीत ऋतु के आगमन का संकेत है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/monsoon-withdraws-from-parts-of-rajasthan>

